ٱلَّذِينَ ٱسۡتَجَابُواْ لِلَّهِ وَٱلرَّسُولِ مِنۢ بَعۡدِ مَآ أَصَابَهُمُ ٱلۡقَرۡحُۚ
لِلَّذِينَ أَحۡسَنُواْ مِنۡهُمۡ وَٱتَّقَوۡاْ أَجۡرٌ عَظِيمٌ ﴿١٧٢﴾ ٱلَّذِينَ قَالَ لَهُمُ
ٱلنَّاسُ إِنَّ ٱلنَّاسَ قَدۡ جَمَعُواْ لَكُمۡ فَٱخۡشَوۡهُمۡ فَزَادَهُمۡ إِيمَٰنٗا
وَقَالُواْ حَسۡبُنَا ٱللَّهُ وَنِعۡمَ ٱلۡوَكِيلُ ﴿١٧٣﴾ فَٱنقَلَبُواْ بِنِعۡمَةٖ مِّنَ
ٱللَّهِ وَفَضۡلٖ لَّمۡ يَمۡسَسۡهُمۡ سُوٓءٞ وَٱتَّبَعُواْ رِضۡوَٰنَ ٱللَّهِۗ وَٱللَّهُ ذُو
فَضۡلٍ عَظِيمٍ ﴿١٧٤﴾ إِنَّمَا ذَٰلِكُمُ ٱلشَّيۡطَٰنُ يُخَوِّفُ أَوۡلِيَآءَهُۥ فَلَا
تَخَافُوهُمۡ وَخَافُونِ إِن كُنتُم مُّؤۡمِنِينَ ﴿١٧٥﴾ وَلَا يَحۡزُنكَ ٱلَّذِينَ
يُسَٰرِعُونَ فِي ٱلۡكُفۡرِۚ إِنَّهُمۡ لَن يَضُرُّواْ ٱللَّهَ شَيۡـٔٗاۗ يُرِيدُ ٱللَّهُ
أَلَّا يَجۡعَلَ لَهُمۡ حَظّٗا فِي ٱلۡأٓخِرَةِۖ وَلَهُمۡ عَذَابٌ عَظِيمٌ ﴿١٧٦﴾ إِنَّ
ٱلَّذِينَ ٱشۡتَرَوُاْ ٱلۡكُفۡرَ بِٱلۡإِيمَٰنِ لَن يَضُرُّواْ ٱللَّهَ شَيۡـٔٗاۖ وَلَهُمۡ
عَذَابٌ أَلِيمٞ ﴿١٧٧﴾ وَلَا يَحۡسَبَنَّ ٱلَّذِينَ كَفَرُوٓاْ أَنَّمَا نُمۡلِي لَهُمۡ
خَيۡرٞ لِّأَنفُسِهِمۡۚ إِنَّمَا نُمۡلِي لَهُمۡ لِيَزۡدَادُوٓاْ إِثۡمٗاۚ وَلَهُمۡ عَذَابٞ
مُّهِينٞ ﴿١٧٨﴾ مَّا كَانَ ٱللَّهُ لِيَذَرَ ٱلۡمُؤۡمِنِينَ عَلَىٰ مَآ أَنتُمۡ عَلَيۡهِ
حَتَّىٰ يَمِيزَ ٱلۡخَبِيثَ مِنَ ٱلطَّيِّبِۗ وَمَا كَانَ ٱللَّهُ لِيُطۡلِعَكُمۡ
عَلَى ٱلۡغَيۡبِ وَلَٰكِنَّ ٱللَّهَ يَجۡتَبِي مِن رُّسُلِهِۦ مَن يَشَآءُۖ
فَـَٔامِنُواْ بِٱللَّهِ وَرُسُلِهِۦۚ وَإِن تُؤۡمِنُواْ وَتَتَّقُواْ فَلَكُمۡ أَجۡرٌ
عَظِيمٞ ﴿١٧٩﴾ وَلَا يَحۡسَبَنَّ ٱلَّذِينَ يَبۡخَلُونَ بِمَآ ءَاتَىٰهُمُ ٱللَّهُ مِن
فَضۡلِهِۦ هُوَ خَيۡرٗا لَّهُمۖ بَلۡ هُوَ شَرّٞ لَّهُمۡۖ سَيُطَوَّقُونَ مَا بَخِلُواْ

بِهِۦ يَوۡمَ ٱلۡقِيَٰمَةِۗ وَلِلَّهِ مِيرَٰثُ ٱلسَّمَٰوَٰتِ وَٱلۡأَرۡضِۗ وَٱللَّهُ بِمَا تَعۡمَلُونَ خَبِيرٞ ١٨٠

Theme	
Character of the believers at Uhud. Punishment for bartering belief for unbelief. Adverse conditions are a test from Allah. Punishment for the stingy.	ग़ज़वा-ए-उहुद में अहल-ए-ईमान का किरदार। ईमान के बदले कुफ़्र इख़्तियार करने की सज़ा। नामुसाइद हालात अल्लाह तआला की तरफ़ से आज़माइश हैं। बख़ीलों के लिए सज़ा।
Tarjumani	
As for those, who, even after their injuries during the Battle of Uhud, responded to the call of Allah and His Rasool to follow the Quraish army which was gathering to attack again, there will be a great reward for such of those who do righteous deeds and refrain from evil, who, when the people told them: "Your enemies have mustered a great force against you: fear them," grew more firm in their faith, and replied: "Allah's help is all-sufficient for us. He is the best Disposer of affairs. As a result, they returned home with blessings and grace from Allah and suffered no harm at all. Besides this, they had the honor of following what pleased Allah, and Allah is the Owner of mighty grace. Now you must have realized that it was the Shaitan who was trying to prompt you to fear his followers. But have	(ऐसे मोमिनों के अज्र को) जिन्होंने ज़ख्म खाने के बाद भी अल्लाह और रसूल की पुकार पर लब्बैक कहा--- उनमें जो अश्खास नेकूकार और परहेज़गार हैं उनके लिए बड़ा अज्र है--- जिनसे लोगों ने कहा कि "तुम्हारे ख़िलाफ़ बड़ी फ़ौजें जमा हुई हैं, उनसे डरो" तो यह सुनकर उनका ईमान और बढ़ गया और उन्होंने जवाब दिया कि "हमारे लिए अल्लाह काफ़ी है और वही बेहतरीन कारसाज़ है।" आख़िरकार वह अल्लाह तआला की नेमत और फज्ल के साथ पलट आए, उनको किसी किस्म का ज़रर भी नहीं पहुँचा और अल्लाह की रिज़ा पर चलने का शर्फ़ भी उन्हें हासिल हो गया, अल्लाह बड़ा फज्ल फरमानेवाला है। अब तुम्हें मालूम हो गया कि वह डर-अस्ल शैतान था जो अपने दोस्तों से खामखाह डरा रहा था। लिहाज़ा आइन्दा तुम इनसानों से न डरना, मुझसे डरना अगर तुम हक़ीकत में साहिबे-ईमान हो। (ऐ पैग़म्बर) जो लोग आज कुफ़्र की राह में बड़ी दौर-धुप कर रहे

no fear of them. Fear Me, if you are true believers. O Muhammad, let not those who rush headlong into unbelief, grieve you; surely, they can do absolutely no harm to Allah. Allah intends to give them no share in the Hereafter. They shall have a grievous punishment. Those who barter away faith for unbelief will in no way harm Allah. They shall have a painful punishment Let not the unbelievers think that Our granting of respite is good for their souls, we grant them respite so that they may add more to their sins. They shall have a disgraceful punishment. Allah will not leave the believers in their present condition; you are in this condition only until He separates the Evil from the Good. Allah will not do this by disclosing to you the secrets of the unseen. As for disclosing the unseen, Allah chooses those of his Rasools whom He pleases. Therefore, believe in Allah and His Rasools. If you believe and guard yourselves against evil, you shall have a great reward. Let not those who are stingy in giving for charity from what Allah has blessed them with, think that it is good for them: nay it is very bad for them. All the wealth they hoarded with stingy behavior will be hung around their necks like a collar on the Day of Resurrection. It is Allah

हैं उनकी सरगर्मियाँ तुम्हें आज़ुर्दा न करें, ये अल्लाह का कुछ भी न बिगाड़ सकेंगे | अल्लाह का इरादा यह है कि उनके लिए आख़िरत में कोई हिस्से न रखे, और बिल-आख़िर उनको सख्त सज़ा मिलनेवाली है | जो लोग ईमान को छोड़कर कुफ़्र के ख़रीदार बने हैं वे यकीनन अल्लाह का कोई नुकसान नहीं कर रहे हैं, उनके लिए दर्दनाक अज़ाब तैयार है | यह ढील जो हम उन्हें दिए जाते हैं उसको ये काफ़िर अपने हक़ में बेहतरी न समझें, हम तो इन्हें इसलिए ढील दे रहे हैं कि ये ख़ूब बारे-गुनाह समेट लें, फिर इनके लिए सख्त ज़लील करनेवाली सज़ा है | अल्लाह मोमिनों को इस हालत में हरगिज़ न रहने देगा जिसमें तुम लोग इस वक़्त पाए जाते हो | वह पाक लोगों को नापाक लोगों से अलग करके रहेगा | मगर अल्लाह का यह तरीका नहीं है कि तुम लोगों को गैब पर मुत्तला कर दें | (गैब की बातें बताने के लिए तो) अल्लाह अपने रसूलों में से जिसको चाहता है मुंतखब कर लेता है | लिहाज़ा (उमुरे-गैब के बारे में) अल्लाह और उसके रसूलों पर ईमान रखो | अगर तुम ईमान और खुदातरसी की रविश पर चलोगे तो तुमको बड़ा अज्र मिलेगा| जिन लोगों को अल्लाह ने अपने फज्ल से नवाज़ा हैं और फिर वे बुखल से काम लेते हैं वे इस ख़याल में न रहें कि यह बखीली उनके लिए अच्छी है | नहीं, यह उनके हक़ में निहायत बुरी है | जो कुछ वे अपनी कंजूसी से जमा कर रहे हैं वही क़ियामत के रोज़ उनके गले का तौक बन जाएगा | ज़मीन और आसमानों की मीरास अल्लाह ही के लिए है और तुम जो

who will inherit the heavens and the earth. Allah is well aware of all your actions.	कुछ करते हो अल्लाह उससे बाख़बर है।
Tafsir	